

राजस्थान RAJASTHAN

A 674218

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

बैयनामा मा. : 100000 / -रु.

स्टाम्प डियुटी - 5100 / -रु.

विकेता : जयकिशन पुत्र श्री निराणाराम जाति जाट  
साकिन - सरदारपुरा खालसा  
त. रावतसर , जि. हनुमानगढ़

केता : सचिव , नव विद्यापीठ शिक्षण संस्थान , रावतसर  
त. रावतसर , जिला - हनुमानगढ़  
सचिव, जयकिशन पुत्र श्री निराणाराम जाति जाट  
साकिन - सरदारपुरा खालसा , त. रावतसर ,  
जि. हनुमानगढ़

भूमि विवरण : रौही मौजा पल्लू के खाता सख्या 116 के  
खसरा न. 202 में 2.26 बीघा खातेदारी भूमि

लगातार 2 पर

*Jaykishan*

1

भूमिप्राप्ति पत्रिका विक्रीत ७३ (१) पल्ल (हनुमानगढ)  
जि.क्र. ५९३५ दिनांक १९/०२/१३ एक वल्लु व. क. स.

जयसिंह पुत्र किराणालय

५७७७५/२५७७७

जयपुरीपत्नी का नाम श्री  
जाति जाट

सरदाहर ६२ रावटेहा

सोहन

संख्या/भाग

मालिका

*Seinika*

रसीद नं० ६३/३१५१ ति. १९-२-१३

पंजीयन शुल्क ११३५

प्रतिलिपि शुल्क ३००

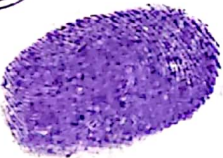
अन्य शुल्क ५७०

अति० मु० कर ५६५

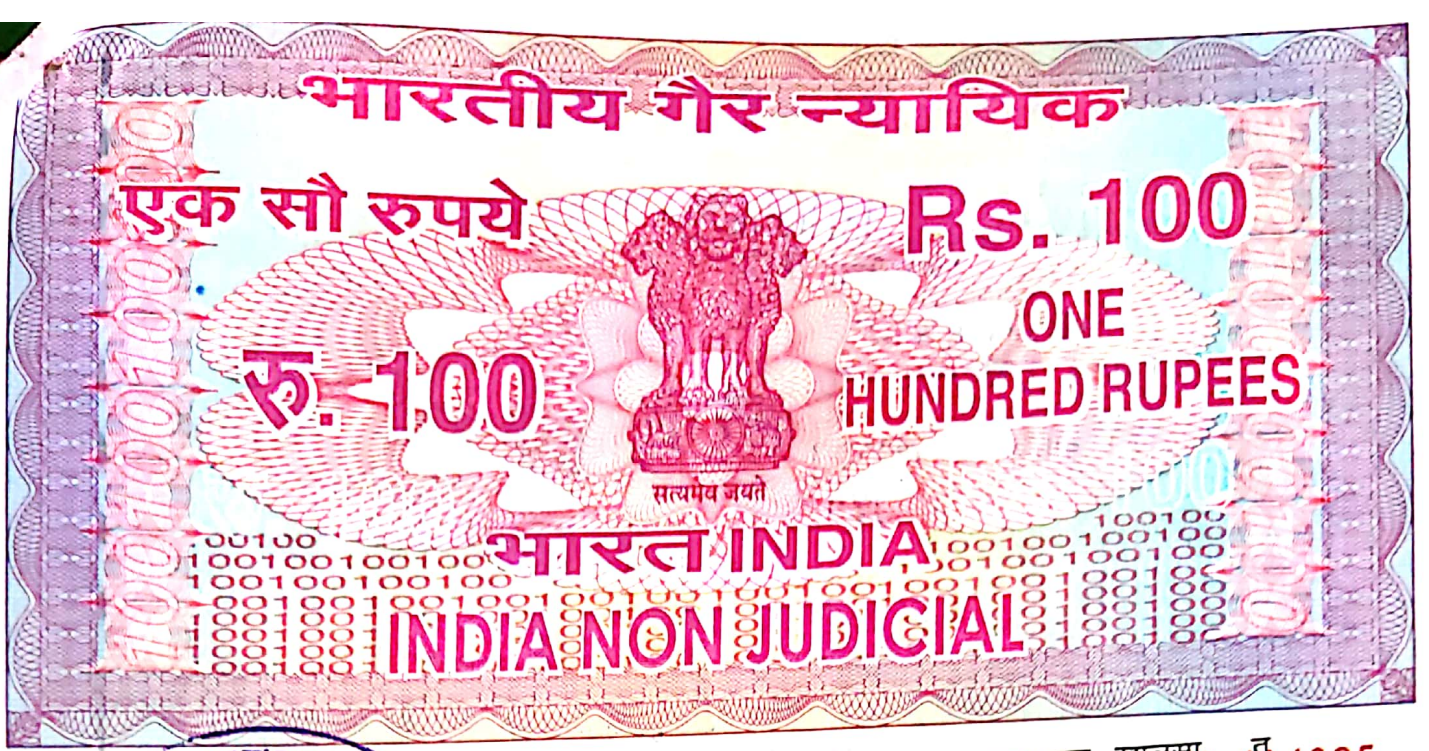
कुल याग २५७०

उपपंजीयक पल्ल  
जिला हनुमानगढ

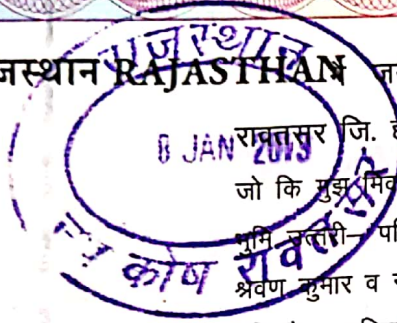
*Seinika*



आदि १९-२-१३ नं० \_\_\_\_\_ से  
जयपुरीपत्नी का नाम श्री जयसिंह पुत्र किराणालय  
जाति जाट निवासी सरदाहर  
ने पेश किया।  
उपपंजीयक पल्ल  
जिला हनुमानगढ



राजस्थान RAJASTHAN जयकिशन पुत्र निराणाराम जाति जाट सा. सरदारपुरा खालसा 414805



रावतसर जि. हनुमानगढ़ का हूं।

जो कि मुझ मिकर के नाम रौही मौजा पल्लू के खाता सख्या 116 के खसरा न. 202 में 2.26 बीघा भूमि उत्तरी-पश्चिमी साइड जिसमें पश्चिमी साइड के टुकड़े के आसे पासे निम्न है, उत्तर में श्रवण कुमार व नवविद्यापीठ शिक्षण संस्थान दक्षिण में बाधो देवी पूर्व में दलीप कुमार व स्वयं की भूमि है, पश्चिम में हंसराज है बारानी कृषि भूमि पटवार सरकार दर्ज है जो हर प्रकार के भार से मुक्त है आज से पहले इस पर किसी प्रकार का विवाद या स्थगन आदेश नहीं है। चूंकि मुझ मिकर को घरू खर्च खानगी रूपयो की सख्त जरूरत है। इस लिए मैं स्वयं खाता सख्या 116 के खसरा न. 202 में 2.26 बीघा खातेदारी भूमि में से 1.43 बिघा भूमि को बिल मुक्ता 100000 रु. अखरे एक लाख रूपये में बहक सचिव, नव विद्यापीठ शिक्षण संस्थान, रावतसर त. रावतसर जिला - हनुमानगढ़ सचिव, जयकिशन पुत्र श्री निराणाराम जाति जाट साकिन - सरदारपुरा खालसा, त. रावतसर, जि.-हनुमानगढ़ को विक्रय कर दी है। समस्त रकम प्राप्त कर ली है। संस्था सचिव में कोई तक्राजा बकाया नहीं रहा है। और ना ही आयन्दा होगा। तथा कब्जा बैयशुदा कृषि भूमि 1.43 बीघा का दिशाज्ञान इस प्रकार से है। उत्तर में नवविद्यापीठ शिक्षण संस्थान रावतसर व श्रवण कुमार दक्षिण में बाधो देवी व स्वयं की भूमि व दलीप कुमार, पूर्व में स्वयं की भूमि है। पश्चिम हंसराज है। आज के बाद केता के वो हक हकुक प्राप्त होंगे। जो आज तक मुझ मिकर को प्राप्त थे तथा मुझ मिकर की गैर हाजरी में केता उक्त बैय सुदा भूमि का नामान्तरण राजस्व रिकार्ड में अमल दरामद करवा सकेगा। इस बाबत मुझ मिकर का कोई शहीम व शरीक उजर ऐतराज करेगा तो वह अदालत में अमान्य होगा। तथा उसकी तमाम जबाबदेही मुझ मिकर की होगी। बैयशुदा भूमि एक फसली व बारानी है सिंचाई का कोई साधन नहीं है आसपास कोई औधोगिक संस्थान या वाणिज्यक इकाई नहीं है न ही उक्त भूमि मण्डी समिति व नगरपालिका सीमा में आती है।

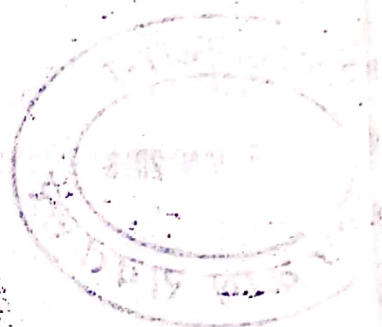
लगातार 3 पर

Jaykishan

पूजाक विजेता: मनागम, रावतसर (ह. भा. म. सं. 060)  
रजि. नं. 13171 दि. 14/01/13  
पत्रांक नं. 100 X 15 100

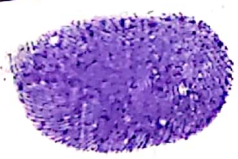
नाम: जयकिशन  
पता: निराणा राय (4231424)  
हस्ताक्षर: [Signature]  
मंत्रांक विजेता

Sankishan



जयकिशन पुत्रा श्री निराणा राय  
जयकिशन निवासी 4231424  
R.W.T जिला म.प.क.  
पत्रांक नं. 100 X 15 100  
उपपजीयक पत्तु  
जिला हनुमानगढ़

Sankishan



अतः यह बैयनामा आज दिन राजी रजा होश हवास बिना किसी नशा पता बिना दबाब के तहरीर कर दिया है कि सनद रहे वक्त जरूरत काम आवें ।

केता का मुलनिवास प्रमाण पत्र व वोटरलिस्ट सलग्न है।

दिनांक

*Jainkishan*

हस्ताक्षर  
केता



*Jainkishan*

हस्ताक्षर  
विकेता के हस्ताक्षर



गवाह-1

रूपेश कुमार पुत्र श्री बृजलाल  
जाति जाट सा. भगवानसर त. नोहर  
जि. हनुमानगढ़



*Rupesh*

गवाह -2

विनोद कुमार पुत्र श्री हरदयाल शर्मा  
जाति ब्राहमण सा. हरदासवाली त. रावतसर  
जि. हनुमानगढ़



*Vinod*

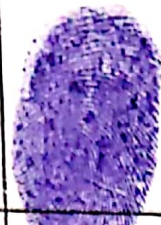





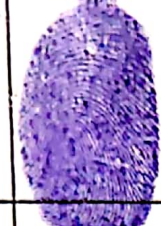
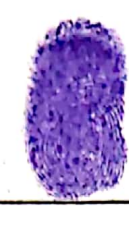



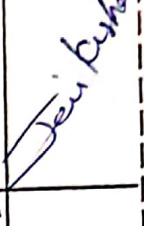
Super.  


उप निष्ठादन कता/कलाआ की पहचान  
श्री २२२२/ पुत्र श्री श्रीजमान  
जानिजाट निवासी २ गजानगर  
तहसील मोईल जिला २. ११ राज्य  
श्री विनोद पर श्री ६२३२/१०  
जाति ११६२०० निवासी पल्लू  
तहसील २००० जिला २. ११ राज्य  
ने की ३  
उप पजीयक पल्लू  
जिला हनुमानगढ़

काशी  


अज दिनः १९ मास २  
सं १३ को पुस्तक संख्या १ की जिल्द  
संख्या ५१ के पृष्ठ संख्या १५४ के  
संख्या २५५ पर पंज किया गया एवं  
अपेक्षित पुस्तक संख्या १ की जिल्द  
संख्या ५ के पृष्ठ संख्या १३ से  
४६ तक चरण के गया।  
उपपंजीयक पल्लू  
जिला हनुमानगढ़

1908 के तहत धारा 32 ए के तहत फिंगर प्रिन्ट्स

क्र.सं.	नाम	निशानी					हस्ताक्षर
		अंगुठा	तर्जनी	मध्यमा	अनामिका	कनिष्ठा	
1.	जयविश्व						
2.	जयविश्व						
3.							
4.							
5.							
6.							
7.							

रामित दह  
 उप ज्योतिषी  
 (नानगढ़)